संभाग पोस्ट

साप्ताहिक

RNI: MPHIN/2015/60688

जिलों से संभाग तक का सच

email:sambhagpost@gmail.com

वर्ष-9 । अंक-46 । प्रति मंगलवार, इंदौर, 14 अप्रैल 2026 से 20 अप्रैल 2026 । । मूल्य- 2 रु. । पृष्ठ- 8

उपयंत्री का रिश्वत कांड विभाग का है खेल
रिश्वत के इस खेल में है हिस्से का मेल

कौन है जिम्मेदार, किसकी है हिस्सेदारी?

जानकारी 'गायब' और अपील 'खारिज'

सहायक आयुक्त इकबाल आदिल

डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन

चश्मा बदलिए डिप्टी कलेक्टर साहब!

क्या हिस्से की मलाई सच बोलने से रोक रही है?

SPECIALREPORT

नवीन गलकर

खरगोन। खरगोन में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी और जहरीली हो चुकी हैं कि पूरी सरकारी मशीनरी कानून को 'घुन' की तरह चाट रही है। उपयंत्री राकेश राय, जिस पर रिश्वतखोरी के संगीन आरोप हैं, उसे बचाने के लिए विभाग में नंगा नाच चल रहा है। यहाँ बैठे आला अफसरों आंखों पर 'बेशर्मी' का लगता हे की ने अपनी 'हिस्सेदारी' की काली पट्टी बांध ली है। आर.टी.आय के जवाब और शिकायतों पर इनका रवैया चीख-चीख कर कह रहा है कि यहाँ 'अंधेर नगरी, चौपट राजा' का खेल पूरे उफान पर है।

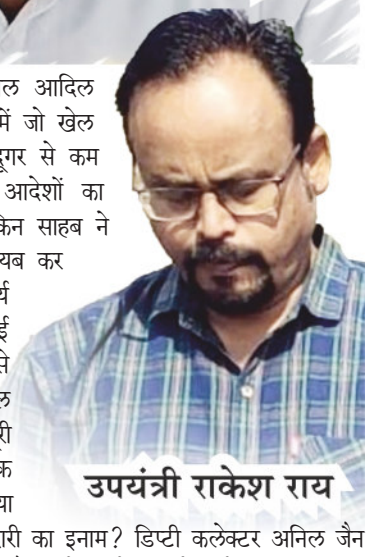

उपयंत्री राकेश राय

सहायक आयुक्त इकबाल आदिल ने आर.टी.आय के जवाब में जो खेल दिखाया है, वह किसी जादूगर से कम नहीं है। आवेदक ने दो कार्य आदेशों का कच्चा चिट्ठा मांगा था, लेकिन साहब ने बड़ी सफाई से एक को गायब कर दिया। साहब! क्या दूसरे कार्य आदेश में भ्रष्टाचार की कोई ऐसी 'हड्डी' फंसी है जिसे उगलते ही आपकी कुर्सी डोल जाएगी? इस तरह आधी-अधूरी जानकारी देना क्या 'हक अदायगी' की मजबूरी है या फिर दागी उपयंत्री की वफादारी का इनाम? डिप्टी कलेक्टर अनिल जैन का रवैया तो और भी निराला है। आवेदक ने दस्तावेजों के साथ चिल्ला-चिल्ला कर कहा कि जानकारी अपूर्ण है, लेकिन साहब ने अपनी 'शाही नींद' से जागना उचित नहीं समझा। साहब ने बिना दिमाग लगाए अपील ही खारिज कर दी। डिप्टी कलेक्टर महोदय, क्या आपकी ये ऊंची कुर्सी सिर्फ भ्रष्टाचार पर मुहर लगाने के लिए मिली है? जब आवेदक ने एक-एक तथ्य आपके सामने परोस दिया था, तब आपने आँखें क्यों मूंद लीं? शर्म आनी चाहिए ऐसे न्याय पर, जो खुलेआम 'दोषियों' का कवच बन जाए। उपयंत्री राकेश राय पर रिश्वत मांगने के आरोप हैं और जानकारी के अनुसार इसकी जांच इसी कलेक्टर कार्यालय में एक साल से 'कोमा' में पड़ी है। जिस कार्यालय के डिप्टी कलेक्टर एक आर.टी.आय की अपील तक में दूध का दूध और पानी का पानी नहीं कर पा रहे, वहां रिश्वतखोरी की जांच क्या खाक निष्पक्ष होगी? या यह मान लिया जाए कि उपयंत्री की रिश्वत का 'हिस्सा' ऊपर की मंजिलों तक बराबर पहुंच रहा है? अगर कलेक्टर मैडम में जरा भी नैतिकता बची है, तो उन्हें इन 'मैनेजमेंट' करने वाले अफसरों का हिसाब करना होगा। वरना यह साफ है कि यहाँ जांच नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की शिकायत को 'दफन' करने का इंतजाम किया जा रहा है। क्योकि दागी उपयंत्री की 'मलाई' में ऊपर तक हिस्सा है?

किसने किया 'भ्रष्टाचार' किसकी है हिस्सेदारी?
संभाग पोस्ट में देखियें आगे किसकी है 'बारी'

सुविचार

अपने लक्ष्य के लिए जोशीले और जुनूनी बनिए..
विश्वास रखिए, परिश्रम का फल सफलता हि है!

संपादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया। निर्विवाद रूप से बढ़ती महंगाई और स्थिर वेतन के बीच बढ़ती खाई से अशांति की जड़ें गहरी होती जा रही हैं। औद्योगिक केंद्रों में कामगार पश्चिम एशिया युद्ध के चलते बढ़ी महंगाई के कारण दबाव में अपना गुजारा करने के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, हरियाणा द्वारा न्यूनतम मजदूरी बढ़ाने का निर्णय इस गंभीर वास्तविकता की स्वीकृति को ही दर्शाता है। लेकिन यह भी हकीकत है कि तात्कालिक उपाय के रूप में बातचीत और शिकायतों का फौरी निवारण कारगर विकल्प नहीं हो सकते। हालांकि, अधिकारी अशांति फैलाने में निहित स्वार्थी तत्वों की भूमिका की जांच कर रहे हैं, लेकिन ये घटनाएं व्यवस्थागत अविश्वास को भी दर्शाती हैं। दरअसल, श्रमिकों का उपेक्षित महसूस करना वातावरण को अस्थिर बनाता है। लेकिन यह एक हकीकत है कि दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन के लिये विनिर्माण की महत्वाकांक्षाएं स्थिर-प्रेरित कार्यबल के बिना संभव नहीं हैं। औद्योगिक अशांति केवल उत्पादन-निवेश तक ही सीमित नहीं रहती। इससे आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने और निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका भी पैदा होती है। निस्संदेह, आर्थिक प्रगति समावेशी हो। शासन को श्रमिक हितैषी होना चाहिए। विश्वास निर्माण से ही हमारे कारखाने विकास का इंजन बन सकते हैं।

सामाजिक समरसता और बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

✍ डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी
प्रोफेसर एवं समूह निदेशकः ऑक्सफोर्ड-इंदौर इंटरनैशनल कॉलेजेस, इंदौर; राज्य सरकार नामित सदस्यः अवंतिका विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र)

भारतीय समाज की विविधता और जटिलता के बीच, सामाजिक समरसता की आवश्यकता सदैव प्रमुख रही है। भारत एक ऐसा देश है जहाँ विभिन्न जातियों, धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग निवास करते हैं। ऐसे में, समाज में सामंजस्य और समरसता बनाए रखना एक बड़ा चुनौतीपूर्ण कार्य है। इस दिशा में बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर का व्यक्तित्व और कृतित्व अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल एक महान विचारक थे, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और मानवता के प्रति उनके योगदान ने समाज में एक नई चेतना का संचार किया।

बाबा साहेब का जन्म 14 अप्रैल 1891 को एक छोटे से गाँव में हुआ था, जहाँ उन्होंने अपने जीवन की शुरुआत से ही अनेक संघर्षों का सामना किया। भारतीय समाज में छुआ-छूत और जातिवाद की काली छाया के बीच, अंबेडकर ने शिक्षा को अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बनाया। उनका मानना था कि शिक्षा ही व्यक्ति को आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बना सकती है। उन्होंने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से कई विश्वविद्यालयों से डिग्री प्राप्त की, जिससे उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि सामाजिक असमानता को खत्म करने का एकमात्र उपाय शिक्षा है।

बाबा साहेब ने भारतीय संविधान के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका उद्देश्य एक ऐसा संविधान तैयार करना था जिसमें सभी नागरिकों को समान हक और अवसर प्रदान किए जाएं। उन्होंने जातिवाद और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ एक मजबूत आवाज उठाई। उनका यह दृष्टिकोण न केवल असमानता को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था, बल्कि यह लोगों को एकजुट करने का भी कार्य करता था। अंबेडकर के प्रयासों से भारत का संविधान मौलिक अधिकारों का संरक्षक बना, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का आश्वासन दिया गया।

सामाजिक समरसता का मूल मंत्र है सहिष्णुता और सामंजस्य। बाबा साहेब ने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि विभिन्न समुदायों के बीच संवाद और समझ बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने 'शिक्षा, एकता और संघर्ष' का नारा दिया, जो कि एक सक्षम समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण संदेश था। इस विचार के द्वारा, उन्होंने समाज के हर वर्ग को एक साथ लाने की कोशिश की। वे हमेशा कहते थे, 'एक बुद्धिमान व्यक्ति दूसरों की भावनाओं का सम्मान करेगा, चाहे वे किसी भी जाति या धर्म के हों।'

बाबा साहेब का दृष्टिकोण न केवल सामाजिक समरसता की दिशा में प्रेरणादायक रहा, बल्कि उन्होंने समाज को यह समझाने की कोशिश की कि एक व्यक्तिगत परिवर्तन पूरे समाज को बदल सकता है। उन्होंने अपने विचारों और कार्यों के माध्यम से एक सकारात्मक परिवर्तन का संदेश दिया, जो आज भी हमारे समाज में प्रासंगिक है। उनकी शिक्षाएँ हमें यह सिखाती हैं कि अगर हम सभी मिलकर दूसरों के अधिकारों का सम्मान करें और अपने पूर्वाग्रहों को दूर करें, तो हम एक साथ मिलकर एक मजबूत और समरस समाज का निर्माण कर सकते हैं।

सामाजिक समरसता केवल एक आदर्श नहीं है; यह एक वास्तविकता बन सकती है यदि हम सभी बाबा साहेब के विचारों को अपनाएँ। उनके जीवन और कार्यों से प्रेरणा लेते हुए, हमें चाहिए कि हम जातिवाद, भेदभाव और असमानता के खिलाफ आवाज उठाएं। हम सभी को अपने भीतर सहिष्णुता और समझदारी का संचार करना चाहिए, ताकि हम एक समृद्ध और समरस समाज की स्थापना कर सकें।

डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो भारतीय संविधान के मुख्य निर्माता थे, ने जातिवाद के खिलाफ संघर्ष करने और समाज में समानता की स्थापना के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए। उनके कार्यों और विचारों का संक्षेप में वर्णन इस प्रकार है:

शिक्षा के माध्यम से जागरूकताः अंबेडकर ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का एक महत्वपूर्ण उपकरण माना। उन्होंने स्वयं उच्च शिक्षा प्राप्त की और इसके महत्व को समझाया। उन्होंने दलितों को शिक्षा लेने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हो सकें।

राजनीतिक सशक्तिकरणः अंबेडकर ने राजनीतिक सशक्तिकरण पर जोर दिया। उन्होंने दलितों और निम्न जातियों के लिए अलग निर्वाचन क्षेत्र की मांग की, ताकि उन्हें अपने प्रतिनिधियों को चुनने का अधिकार मिल सके। 1952 में उन्होंने पहला लोकसभा चुनाव लड़ा और इसके माध्यम से राजनीतिक प्रणाली में भागीदारी को बढ़ावा दिया।

संविधान निर्माणः भारतीय संविधान के निर्माण के समय, अंबेडकर ने सुनिश्चित किया कि जातिवाद के खिलाफ ठोस प्रावधान शामिल हों। उन्होंने समानता, स्वतंत्रता और न्याय के सिद्धांतों को संविधान में शामिल किया, जिससे सभी नागरिकों को समान अधिकार मिले।

बौद्ध धर्म से प्रभावितः अंबेडकर ने जातिवाद को समाप्त करने के लिए बौद्ध धर्म को अपनाया और 1956 में असंख्य मतावलंबियों के साथ बौद्ध धर्म की दीक्षा ली। उनका मानना था कि जातिवाद से मुक्ति का एक प्रमुख उपाय धर्म परिवर्तन है।

सामाजिक आंदोलनः उन्होंने कई आंदोलनों का नेतृत्व किया, जैसे 'मनसुखलाल जठार मामले' में संघर्ष और 'चावदार तालाब आंदोलन', जहाँ उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक क्षेत्रों में प्रवेश की मांग की।

लेखन और विचारधाराः उनके लेखन, जैसे 'हहगर्प्टूदह द र्ीणू', ने जातिवाद के खिलाफ एक शक्तिशाली विचारधारा को प्रस्तुत किया। इसमें उन्होंने जातिवाद की समस्याओं को विस्तार से समझाया और समाज में सुधार के लिए ठोस सुझाव दिए।

अंबेडकर का संघर्ष और विचार आज भी भारतीय समाज में जातिवाद के खिलाफ लड़ाई को प्रेरित करते हैं और सामाजिक समानता की दिशा में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शक बने हुए हैं।

सारांश में, बाबा साहेब भीमराव रामजी अंबेडकर का व्यक्तित्व और उनके कृतित्व आज के समाज के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। उनकी सोच और दृष्टिकोण हमें यह सिखाते हैं कि सामाजिक समरसता केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि एक जीवंत आंदोलन है जो हर एक नागरिक के प्रयास से साकार हो सकता है। उन्होंने हमें एक स्वतंत्र, समानतावादी और समरस भारत का सपना दिखाया, जो हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। आज के समय में, हमें बाबा साहेब के सिद्धांतों को अपनाते हुए आगे बढ़ना चाहिए और एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में प्रयासरत रहना चाहिए।

श्री श्याम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव प्रारंभ

■ इंदौर (महूगांव)। संभाग पोस्ट

नगर परिषद महूगांव के शांतिनगर स्थित श्री श्याम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा वार्षिक महोत्सव का शुभारंभ आज से हो गया। इस पावन अवसर पर आचार्य पंडित यश शर्मा के सानिध्य में पंचकुंडीय यज्ञ एवं विष्णुसहस्त्रनाम के साथ विशेष हवन का आयोजन किया जा रहा है। इस हवन में 50 से अधिक जोड़े एक साथ भाग लेकर एक ही दिन में सवा लाख आहुतियां अर्पित करेंगे। श्री श्याम प्यारे सेवा समिति के अध्यक्ष अमित चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। मंदिर में खाटू धाम की तर्ज पर प्रतिदिन मंगला, श्रृंगार, भोग, संध्या एवं शयन की पांच आरतियां का विधिवत आयोजन किया जाता है। यह समस्त पूजा-अर्चना मुख्य पुजारी प्रकाश

बिरला, शुभम मोरोलिया, हितेश अहीरवाल एवं पंकज लकड़हारे द्वारा संपन्न कराई जाती है। मंदिर समिति के संरक्षक पंडित विकास विजय शर्मा ने बताया कि यह मंदिर क्षेत्र में आध्यात्मिक आस्था का प्रमुख केंद्र बनने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का भी उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है। यहां समाज के प्रत्येक वर्ग को पुजारी मंडल में शामिल किया गया है, जिससे हिंदू समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने का संदेश दिया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। बाबा के श्रृंगार हेतु विशेष फूल दिल्ली से मंगवाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त पंजाब एवं कोलकाता सहित देशभर के ख्याति प्राप्त कलाकार श्री श्याम संकीर्तन के माध्यम से अपनी प्रस्तुतियां देंगे।

बाबा साहेब की जन्मस्थली पहुंचे मुख्यमंत्री, बोले

भाजपा ने संविधान को अमर बनाया

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

संविधान निर्माता और भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती उनकी जन्मस्थली महू में अत्यंत उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है। इस विशेष अवसर पर कार्यक्रमों की श्रृंखला 12 अप्रैल से ही प्रारंभ हो गई थी।

आज के मुख्य कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव पहुंचे और वहां उपस्थित लगभग एक लाख से अधिक लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संविधान को अमर बनाया। इस मौके पर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने संविधान निर्माण के जरिए देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत आधार दिया। उन्होंने सामाजिक समरसता, समानता और एकजुटता के उनके संदेश को आज भी प्रासंगिक बताते हुए लोगों से उनके आदर्शों पर चलने की अपील की।

पटवारी बोले- भाजपा संविधान से खिलवाड़ कर रही

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सुबह बाबा साहेब आंबेडकर की जन्मस्थली महू पहुंचे और उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने यहां जय भीम के नारे लगाए और कहा कि अगर भाजपा को बाबा साहब से प्यार है तो दलितों पर अत्याचार क्यों किया जा रहा है? जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा संविधान से खिलवाड़ करती है।

देर रात दी गई मानवंदना और गार्ड ऑफ ऑनर

जयंती के मुख्य अवसर से पूर्व महू में सोमवार देर रात ठीक 12 बजे एक भव्य दृश्य देखने को मिला। काली पलटन स्थित बाबा साहेब के जन्म स्मारक पर विशेष मानवंदना आयोजित की गई और गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस सम्मान के तुरंत बाद जोरदार आतिशबाजी की गई जिससे पूरा आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। उस समय वहां उपस्थित हजारों अनुयायी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने और पूरा क्षेत्र जय भीम के नारों से गूंज उठा। राजनीतिक हस्तियों की बात करें तो आज प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता भी बाबा साहेब को नमन करने महू पहुंचेंगे। सुबह से ही श्रद्धालुओं समेत बड़े नेताओं का तांता लगा हुआ है और पूरा शहर भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ है। जगह-जगह अनुयायियों के स्वागत के लिए भव्य मंच सजाए गए हैं।

अनुयायियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध

स्मारक समिति के सचिव राजेश वानखेड़े ने व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए बताया कि वर्तमान में पड़ रही गर्मी को देखते हुए विशेष इंतजाम किए गए हैं। स्मारक परिसर में अनुयायियों के चलने के लिए कारपेट बिछाए गए हैं ताकि उन्हें तपती जमीन से राहत मिल सके और जगह-जगह शीतल पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस बार भी महाराष्ट्र के मुंबई, नासिक और औरंगाबाद जैसे बड़े शहरों से अनुयायियों का जत्था बड़ी संख्या में महू पहुंचा है।

प्रशासनिक स्तर पर भोजन और आवास की व्यवस्था

महू एसडीएम राकेश परमार के अनुसार प्रदेश सरकार के निर्देशों पर बाहर से आने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए ठहरने और भोजन के व्यापक प्रबंध प्रशासन द्वारा किए गए हैं। सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए भारी पुलिस बल और स्वयंसेवक तैनात किए गए हैं। इस वर्ष के आयोजन में एक लाख से अधिक लोगों के सम्मिलित होने का अनुमान लगाया गया है जिसके लिए पर्याप्त संसाधन जुटाए गए हैं।

वंदे मातरम का बहिष्कार करने वाली पार्षद रुबीना पहुंची थाने, पुलिस अफसरों ने लिए बयान

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में नगर निगम सम्मेलन के दौरान राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम का विरोध करने वाली पार्षद रुबीना को पुलिस अफसरों ने थाने तलब किया। मंगलवार दोपहर वे अपने पति इकबाल खान व बेटे के साथ थाने पहुंचीं और अपने बयान दर्ज कराए। जांच के बाद पुलिस इस मामले में केस दर्ज कर सकती है। पुलिस ने शिकायत के बाद सभापति व पार्षदों के बयान लिए हैं। इसके अलावा नगर निगम बजट सम्मेलन की रिकॉर्डिंग भी ज़ब्त की गई है।

वंदे मातरम विवाद मामले में कांग्रेस पार्षद रुबीना खान ने एम.जी. रोड थाने पर बयान दर्ज कराए। दो घंटे से ज्यादा देर तक पुलिस अफसरों ने उनसे पूरे घटनाक्रम को लेकर पूछताछ की। यह मामला बजट सम्मेलन में वंदे मातरम नहीं गाने से उपजे विवाद की शिकायत से जुड़ा है, जिसके चलते पार्षद को थाने आना पड़ा।पार्षद रुबीना मंगलवार दोपहर अपने पति इकबाल खान के साथ एम.जी. रोड थाने पहुंची थीं और एसीपी विनोद दीक्षित के समक्ष अपने बयान दर्ज कराए।

वंदे मातरम को लेकर रुबीना ने कहा था, हम अल्लाह की इबादत करते हैं। हमारे कुरान में सिर्फ अल्लाह की इबादत की इजाजत है। वंदे मातरम का मतलब है मां की इबादत करना। हम अपनी मां की भी इबादत नहीं करते, हमारे कुरान में इसकी मनाही है। इसके अलावा उन्होंने अपनी ही पार्टी (कांग्रेस) को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले में उनके निष्कासन का प्रस्ताव शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय भेजा है। अभी तक उस पर फैसला नहीं हो पाया है। हालांकि, बाद में रुबीना ने अपनी बातों पर खेद व्यक्त करते हुए कहा था कि गुस्से में उनके मुंह से ये बातें निकल गई थीं।

इंदौर के एलिवेटेड कॉरिडोर का मामला कोर्ट में, फिर भी शुरू हुआ निर्माण, खुदाई जारी

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

यह मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है, इसके बावजूद प्रोजेक्ट का काम जमीन पर शुरू हो चुका है। इस परियोजना की लागत छह सौ करोड़ रुपये से अधिक है। छह किलोमीटर से ज्यादा लंबे इस कॉरिडोर पर अनुमानित रूप से केवल 8 से 10 प्रतिशत ट्रैफिक ही सीधे गुजर पाएगा, फिर भी इसका निर्माण जारी है। इसके लिए एलआईजी क्षेत्र में शेड लगाए जा चुके हैं और खुदाई का काम भी शुरू हो गया है। ट्रैफिक के बीच निर्माण कार्य होने के कारण यातायात प्रभावित होने की संभावना है।

इस कॉरिडोर की खुदाई में सबसे अधिक परेशानी गीताभवन चौराहे से जीपीओ के बीच आएगी, क्योंकि यहां जमीन पथरीली है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर बीच में ही नर्मदा पाइपलाइन मौजूद है, जिसे शिफ्ट करना होगा।

एलिवेटेड कॉरिडोर की लागत अब लगभग दोगुनी हो चुकी है। पहले इस प्रोजेक्ट की लागत 300 करोड़ रुपये आंकी गई थी, लेकिन अब यह बढ़कर 600 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। यह कॉरिडोर एलआईजी चौराहे से नवलखा चौराहे तक लगभग छह किलोमीटर लंबाई में बनाया जाएगा। हाल ही में इस प्रोजेक्ट को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने जनप्रतिनिधियों की बैठक ली थी, जिसमें निर्णय लिया गया कि तीन चौराहों पर रैंप (भुजाएं) उतारी जाएंगी और रोटरी भी बनाई जाएगी।

करीब डेढ़ साल पहले हुए सर्वे में इस कॉरिडोर पर केवल 4 प्रतिशत ट्रैफिक लोड सामने आने के बाद मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस प्रोजेक्ट को निरस्त कर दिया था, लेकिन चार माह पहले हुई शहर विकास बैठक में इसे फिर मंजूरी दे दी गई। अब इसका निर्माण

कार्य शुरू हो चुका है। इसके अलावा नगर निगम एलआईजी से निरंजनपुर तक के हिस्से में डिवाइडर भी बना रहा है।

उल्लेखनीय है कि यह प्रोजेक्ट करीब 15 साल पहले यूपीए सरकार के शासनकाल में मंजूर हुआ था। बीआरटीएस पहले से बनने के कारण इस परियोजना को लेकर कई बार असमंजस की स्थिति बनी रही। बीआरटीएस कॉरिडोर पर एलिवेटेड कॉरिडोर की योजना, ट्रैफिक सर्वे और मिट्टी परीक्षण पर ही 5 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। मिट्टी परीक्षण पूरा हो चुका है और इस छह किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के निर्माण में लगभग तीन साल का समय लगेगा। एलिवेटेड कॉरिडोर का ठेका वर्ष 2021 में गुजरात की राजकमल बिल्डर्स को दिया गया था।

जलूद में 300 करोड़ की लागत से बने सोलर प्लांट का काम पूरा, सीएम के हाथों लोकार्पण की तैयारी

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर से 70 किलोमीटर दूर जलूद की जमीन पर तैयार हुए 300 करोड़ के सोलर प्लांट का काम पूरा हो चुका है। अगले माह इसका लोकार्पण हो सकता है। मुख्यमंत्री मोहन यादव से इस बारे में मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने चर्चा की है। मंगलवार को मुख्यमंत्री इंदौर में होंगे। तब भी इस प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा होना है। 300 करोड़ की लागत से बने सोलर प्लांट से इंदौर नगर निगम को हर माह पांच करोड़ रुपये बिजली की बचत होगी। जलूद में नगर निगम ने 60 मेगावाट का सोलर पार्क तैयार कर दिया है। नर्मदा जल को इंदौर लाने के लिए सूरज से पैदा होने वाली बिजली का उपयोग किया जाएगा। हर माह इससे पांच करोड़ रुपये बिजली बेचेगी। इंदौर तक नर्मदा जल लाने के लिए तीन करोड यूनिट बिजली लगती है। सौर उर्जा से 60 लाख यूनिट बिजली रोज पैदा होगी। यह प्रोजेक्ट डेढ़ साल पहले शुरू हुआ थाऔर अब बनकर तैयार हो चुका है। नगर निगम ने इस प्रोजेक्ट के लिए ग्रीन बांड जारी किए थे। नर्मदा नदी के पास 200 एकड़ जमीन पर नगर निगम ने सोलर पैनल लगवाए है। एनर्जी प्लांट की पॉवर ट्रांसमिशन लाइनों का काम भी पूरा हो चुका है।

इंदौर में दो मेट्रो ट्रेन एक साथ चलाकर लिया ट्रायल

70 की स्पीड से दौड़ी ट्रेन

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में मेट्रो ट्रेन के 17 किलोमीटर हिस्से में संचालन की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। तिथि तय होने से पहले अफसर मेट्रो ट्रेन को अलग-अलग स्पीड से चलाकर परीक्षण कर रहे हैं। शनिवार सुबह आठ बजे से दोपहर एक बजे तक दो मेट्रो ट्रेनों को ट्रैक पर चलाकर ट्रायल लिया गया और उनकी टाइमिंग भी देखी गई। मेट्रो की स्पीड 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक रखी गई। जब मेट्रो शहर में चलेगी, तो इसी स्पीड के साथ उसका संचालन होगा।

पिछले माह मिल चुकी है मंजूरी

कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी (CMRS) की टीम ने मेट्रो ट्रेन, ट्रैक और स्टेशनों का अलग-अलग स्तरों पर निरीक्षण किया है। टीम को सर्वे के दौरान कोई बड़ी खामी नजर नहीं आई। जो छोटे बदलाव करने के लिए कहे गए थे, उन्हें भी पूरा कर दिया गया है। मेट्रो ट्रेन के संचालन की मंजूरी भी मिल चुकी है, लेकिन अभी कुछ स्टेशनों का काम बाकी है। रात के समय भी श्रमिक स्टेशनों पर काम कर उसे पूरा कर रहे हैं।

मेट्रो के संचालन की मंजूरी मिलने के बाद मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन किराया तय कर रही है। गांधी नगर से रेडिसन चौराहा तक अधिकतम किराया 80 रुपये तक हो सकता है। गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक की दूरी 17 किलोमीटर है। अभी छह किलोमीटर के हिस्से में अधिकतम किराया 30 रुपये तक है, हालांकि इस हिस्से में यात्रियों की संख्या कम है। फिलहाल मेट्रो का संचालन 17 किलोमीटर में होगा। इस हिस्से में एक बस स्टेशन और नजदीक एयरपोर्ट है।

दस स्टेशनों से गुजरेगी मेट्रो

•जब 30 किलोमीटर हिस्से में मेट्रो ट्रैक का काम पूरा होगा, तो हर 30 मिनट के अंतर से मेट्रो ट्रेन चलेगी। शहर में कुल 28 स्टेशनों से ट्रेन गुजरेगी। फिलहाल 17 किलोमीटर में दस स्टेशनों से ट्रेन गुजरेगी।

•20 से लेकर 80 रुपये तक मेट्रो का किराया रहेगा। मेट्रो ट्रेन कॉर्पोरेशन ने किराए के लिहाज से मेट्रो रूट को पांच जोन में बांटा है।

•फिलहाल मेट्रो का संचालन 17 किलोमीटर हिस्से में होगा। यहां मेट्रो का अधिकतम किराया 80 रुपये रहेगा।

मल्हारगंज का तहसीलदार तो कनाडिया और खुड़ैल के एसडीएम सहित पूरा दल ही बदल डाला

महिला अधिकारी को मिला मौका, कुछ की बदली तहसील तो कई भू-अभिलेख में अटैच

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

आम आवेदकों की लंबित फाइलों को तेजी से निपटाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने शासन के निर्देश पर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। जिले की लगभग सभी तहसीलों में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और राजस्व अधिकारियों को बदल दिया गया है। इस बदलाव में कनाडिया, खुडैल के एसडीएम सहित तहसीलदार, नायब तहसीलदार सहित कार्यपालिक दंडाधिकारी भी बदल दिए गए हैं और मल्हारगंज तहसील में तहसीलदार, नायब तहसीलदार बदल दिए गए हैं। आदेश में लंबे समय से प्रशासनिक कार्यों से दूर महिला अधिकारी को फिर मौका दिया गया है। राजस्व वसूली और वित्तीय वर्ष की समाप्ति के साथ ही मध्यप्रदेश शासन के राजस्व विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत इंदौर जिले में तहसीलदार, नायब तहसीलदार और भू-अभिलेख शाखा के अधिकारियों की नई पदस्थापना की गई है। प्रमुख सचिव राजस्व विभाग भोपाल के निर्देशों के पालन में यह फेरबदल किया गया है। जारी आदेश के अनुसार मल्हारगंज तहसील में बड़ा बदलाव सामने आया है। यहां शेखर चौधरी को प्रभारी तहसीलदार बनाया गया है, जबकि निधि राजपूत को कार्यपालिक दंडाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं कनाडिया तहसील में एसडीएम बडकुल को हटाकर दीपक चौहान को मौका दिया गया है। यहां नारायण नांदेड़ा को प्रभारी तहसीलदार और पूजा नागवंशी को नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ किया गया है। जूनी इंदौर तहसील में हाल ही में बदलाव के बाद ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की गई है। राकेश सस्तिया को प्रभारी तहसीलदार, कमलेश कुशवाह को अतिरिक्त तहसीलदार और अशोक परमार को नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ किया गया है। यहां कार्यपालिक दंडाधिकारी का दायित्व बलवीरसिंह राजपूत को सौंपा गया है, जबकि राऊ तहसील में सत्येंद्र गुर्जर को प्रभारी तहसीलदार तथा धर्मेंद्र चौकसे को तहसीलदार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं बिचौली हप्सी में अनिल पटेल को प्रभारी तहसीलदार और शिखा सोनी को अतिरिक्त तहसीलदार बनाया गया है। हातोद तहसील में गोविंदसिंह ठाकुर को तहसीलदार तथा धर्मेंद्रसिंह चौहान को नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ किया गया है।

महिला अधिकारी को ढाई साल बाद मौका

लंबे समय से विभागीय काम की जिम्मेदारी निभा रहीं प्रियंका चौरसिया को खुड़ैल तहसील का अधिकारी नियुक्त किया गया है। लगभग ढाई साल बाद महिला अधिकारी को प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ज्ञात हो कि कई महिला अधिकारियों का पूरा कार्यकाल खत्म होने को आया है, लेकिन उन्हें अभी तक मेन स्ट्रीम के काम नहीं सौंपे गए हैं, जिसके चलते कलेक्टर कार्यालय की गलियों में चर्चा होने लगी थी कि कलेक्टर महिला अधिकारियों पर भरोसा नहीं करते हैं, लेकिन इस आदेश के बाद अफवाहों पर विराम लग सकता है। यहां प्रीति भिसे को तहसीलदार और योगेश मेश्राम को प्रभारी तहसीलदार बनाया गया है, जबकि याचना दीक्षित को कार्यपालिक दंडाधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है।

लंबे समय से एक ही जगह जमे राजस्व अधिकारियों को दी नई जिम्मेदारी

देपालपुर रहने लगा पीछे

देपालपुर की प्रशासनिक गतिविधियों में लेटलतीफी को देखते हुए यहां तहसील में संगीता गोलिया को प्रभारी तहसीलदार, नागेंद्र त्रिपाठी को नायब तहसीलदार (टप्पा गौतमपुरा) तथा कुलदीपसिंह को नायब तहसीलदार (टप्पा बेटमा) पदस्थ किया गया है। इसके अलावा विशेष आदेश में चौखालाल टांक को नायब तहसीलदार, सांवेर के राजस्व न्यायालय में पीठासीन अधिकारी बनाया गया है। देवेंद्र कछावा को डॉ. आंबेडकर नगर (महू) में कार्यपालिक दंडाधिकारी के रूप में पदस्थ किया गया है। शैवालसिंह को एमपीआईडीसी में संलग्न रखा गया है, जबकि संजय यादव और अजय अहिरवार को भू-अभिलेख शाखा में पदस्थ किया गया है।

अवैध कॉलोनी में 12 मकान बनाकर भू-माफिया कर रहा था बेचने की तैयारी, निगम ने लिया एक्शन; किया जमीदोंज

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

इंदौर में भूमाफिया के हौसले इतने बुलंद हो गए हैं कि वे अवैध कॉलोनियों में बिल्डरों की तरह निर्माण कर लोगों को मकान बेच रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम ने सोमवार को 12 निर्माणाधीन रो-हाउस ध्वस्त कर दिए। यह अवैध निर्माण बाणगंगा क्षेत्र के जगदीश नगर में किया जा रहा था। जानकारी के अनुसार, इन मकानों का निर्माण दिनेश साहू के बेटे द्वारा कराया जा रहा था। दिनेश साहू पहले नकली घी कांड में पकड़ा जा चुका है और उस पर रासुका भी लग चुकी है। अब परिवार ने मिलावट का काम छोड़कर अवैध निर्माण का धंधा शुरू कर दिया था। इस अवैध निर्माण की शिकायत नगर निगम को मिली थी। पहले अधिकारियों ने निर्माण हटाने के लिए नोटिस जारी किए, लेकिन स्वेच्छा से कार्रवाई नहीं होने पर सोमवार को निगम का अमला तीन पोकलेन, जेसीबी और 50 से अधिक कर्मचारियों के साथ मौके पर पहुंचा। कार्रवाई के दौरान अधिकांश मकानों में कोई रह नहीं रहा था, हालांकि कुछ जगहों पर श्रमिक काम कर रहे थे। छह मकानों का निर्माण लगभग 80 प्रतिशत पूरा हो चुका था और उनमें रंगाई-पुताई चल रही थी, जबकि अन्य छह मकान अभी निर्माणाधीन थे। बिना अनुमति और नक्शा पास कराए अवैध कॉलोनी विकसित की जा रही थी। निर्माणकर्ता इन मकानों को मध्यमवर्गीय परिवारों को बेचने की तैयारी में था और इसके लिए ग्राहकों की तलाश भी की जा रही थी। लेकिन निगम की कार्रवाई से पहले ही सभी निर्माण ध्वस्त कर दिए गए। नगर निगम अब इस क्षेत्र के अन्य खाली प्लॉटों की भी जांच कर रहा है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं और भी अवैध निर्माण तो नहीं हो रहा। उल्लेखनीय है कि दिनेश साहू का अवैध निर्माण पहले भी तोड़ा जा चुका है।

राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत सभी धर्मों को पिरोने के लिए आवश्यक- जस्टिस आलोक वर्मा

संस्था न्यायाश्रय द्वारा 'वंदे मातरम गायन से इंकार - कानून की कसौटी पर' विषय पर वेबीनार का आयोजित

वरिष्ठ अधिवक्ताओं एवं कानून के विशेषज्ञ रखे अपने विचार 16 राज्यों से अधिक वकीलों ने भाग लिया

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

जिस प्रकार हमारे देश में अधिकार न्यायालय द्वारा परावर्तित किए जाते हैं अर्थात लागू किए जाते हैं ठीक उसी प्रकार अब समय आ गया है की कर्तव्यों का भी परिवर्तन कराया जाए इसके लिए अब कानून बनाया जाना जरूरी है क्योंकि राष्ट्रगान राष्ट्रगीत राष्ट्र के प्रतीक ही सभी धर्म को आपस में जोड़ने का काम करेंगे, देश के प्रत्येक नागरिक को इसमें अपना सहयोग करना होगा यह कहना है वेबीनार के मुख्य अतिथि श्री जस्टिस आलोक वर्मा जी का जो की संस्था न्यायालय द्वारा आयोजित 'वंदे मातरम गायन से इंकार - कानून की कसौटी पर' विषय पर संबोधित कर रहे थे।

संस्था न्यायाश्रय के अध्यक्ष डॉ पंकज वाधवानी एडवोकेट एवं विधि विशेषज्ञ ने जानकारी देते हुए बताया है कि राष्ट्रगीत को नहीं गाने पर कानून क्या कहता है, और क्या किया जाना चाहिए , इस पर कानूनी मंथन शनिवार को एक वेबीनार आयोजित किया जिसमें देश के 16 राज्यों से अधिक वकीलों में भाग लिया।

राष्ट्रगीत गाना या ना गाना यह व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय है कानून के अनुसार- अजाय बागड़िया वारिष्ठ अधिवक्ता वेबीनार को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अजय बगड़िया ने कहा कि भारतीय कानून के अनुसार राष्ट्रगीत को गया जाना या ना गया जाना व्यक्ति का स्वतंत्रता का विषय है कानून द्वारा किसी को विवश नहीं किया जा सकता है किंतु फिर भी राष्ट्र के प्रति आदर रखना सभी नागरिकों की जिम्मेदारी है। इसके पूर्व विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. पंकज वाधवानी एडवोकेट एवं विधि व्याख्याता ने कहा इस चर्चा का उद्देश्य किसी विशेष विचारधारा का समर्थन या विरोध करना नहीं, बल्कि संविधान, न्यायालयों के निर्णय और प्रचलित कानूनों के आधार पर इस विषय का वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करना है, ताकि समाज को एक संतुलित और विधिसम्मत दृष्टिकोण मिल सके।

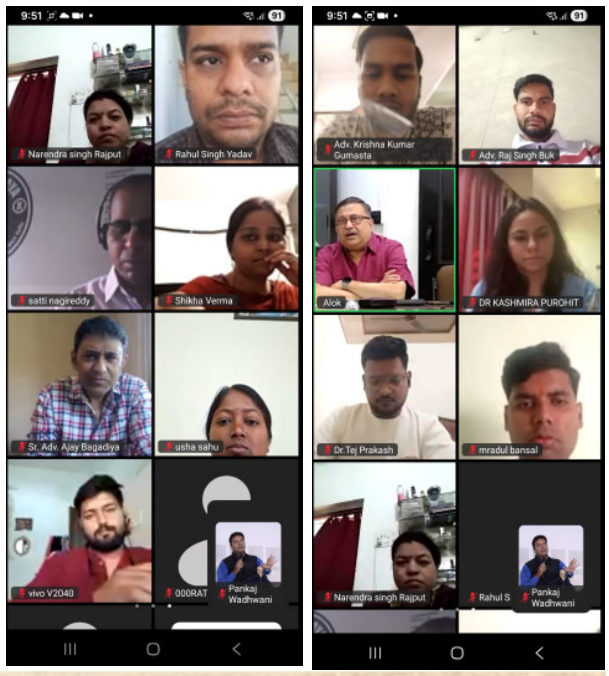

संभाग पोस्ट सामाजिक दृढ़ता संकल्प अभियान

अब आपकी आवाज होगी बुलंद लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के संग

आज के समाज में हम देख रहे हैं की शहरी परिवेश की बात करें या ग्रामीण परिवेश की आज के परिवेश में व्यक्ति अकेला पड़ता जा रहा है। आधुनिक तकनीकियों का इस्तेमाल करते-करते अपने आप को अकेला महसूस करता है , जब उसके ऊपर ऐसी कोई विपत्ति आती है की जब उसके परिवारजन या मित्र बंधु उसका साथ दे। तब वह पता है कि वह अकेला खड़ा है। यह आज के समाज का सत्य है। यह भारत के ७० प्रतिशत लोगों की सच्चाई है वह किसी भी प्रकार की समस्या में हो चाहे पारिवारिक या मानसिक, सामाजिक, प्रशासनिक या चिकित्सकीय हो ऐसी किसी भी समस्या में वह पाता है कि वह अकेला है। और यदि ऐसे मे किसी मोड़ पर कुछ व्यवधान उत्पन्न हो तब वह नीरस हो जाता है, और किसी न किसी प्रकार की गलती कर बैठता है । समाज की ऐसी सबसे बड़ी समस्या को लेकर हमने सामाजिक दृढ़ता संकल्प का अभियान चलाया है जिसके तहत हम उन सभी ऐसे लोगों के साथ खड़े हुए हैं जो हमसे जुड़ेंगे तथा वे लोग जो हमसे किसी न किसी प्रकार से जुड़े हुए हैं , हमारा प्रयास यह होगा कि ऐसी किसी भी समस्या में हम उनके साथ खड़े हो जिस जगह पर वह सही है और उन्हें व्यवधान,समस्या का सामना करना पड़ रहा है, ऐसी स्थिति में संभाग पोस्ट परिवार उनके साथ खड़ा है।

- ■समाज में एक कहावत प्रचलित है सत्य परेशान हो सकता है। पराजित नहीं हो सकता,
- ■ईश्वर की इसी प्रेरणा को हमारे मीडिया चैनल हमारे अखबार ने आत्मसात किया है और हम उन सभी समाज जनों के साथ खड़े हैं जिनके साथ सत्य है।
- ■ईश्वर सत्य का साथ देने वाले उनके अनुयायियों की सहायता करने स्वयं नहीं आते किंतु किसी न किसी माध्यम से सत्य का साथ दे रहे व्यक्ति की सहायता जरूर करते हैं।
- ■हम अपने आप को धन्य समझते हैं कि हमने यह मुहिम चलाई है जिसके तहत यदि आपके साथ सत्य है तो हम आपके साथ सदा खड़े हुए हैं
- ■हमारे चैनल और हमारे अखबार से जुड़े हुए सभी सदस्य गण जिनकी किसी भी प्रकार की परेशानी अब उनकी नहीं वह हमारी है।
- ■जब समाज दृढ़ होगा, सत्य की विजय होगी जब एकता और समान व्यवहार और ज्ञान होगा तब हमारा समाज एक नए भारत का दृढ़ निश्चय भारत का निर्माण कर पाएगा
- ■यदि आपका काम, स्वयं आप और आपका विचार, सत्य के साथ है तो वह आपका नहीं अपितु वह हमारा विचार होगा , क्योंकि आप भारत के चौथे स्तंभ मीडिया के साथ है
- ■अब आम आदमी की आवाज आम आदमी की नहीं अपितु उसके साथ हमारी भी आवाज होगी इसलिए आपसे निवेदन है कि हमारे साथ शीघ्र से शीघ्र जुड़े और अपनी आवाज को एक नया आयाम दें और अपने समाज को अपने परिवार को और अपने देश को सशक्त बनाएं
- ■हमारे साथ जुड़ने के लिए आपको कोई नया प्रयास नहीं करना केवल सामाजिक दृढ़ता संकल्प संभाग पोस्ट अभियान का एक फॉर्म भरना है

विचार न कीजिए तुरंत संपर्क करें: 9755648321

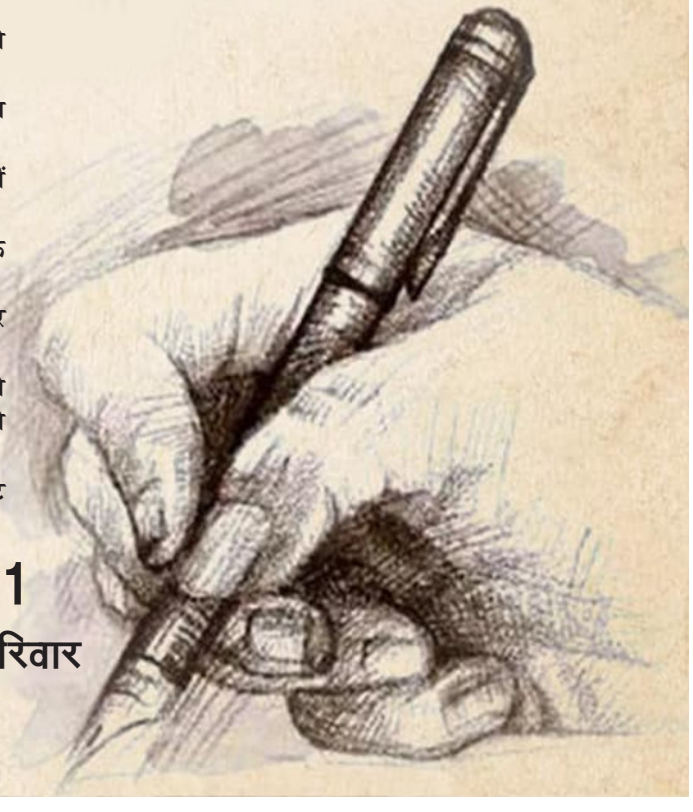

क्योंकि दृढ़ होगा समाज तो सशक्त होगा भारत और खुशहाल होगा हमारा परिवार

सत्यम,शिवम्,सुंदरम। सत्यमेव जयते

भारत माता की जय वंदे मातरम

इंदौर में सूखते जलस्त्रोत और टैंकरों पर टिकती प्यास

जहां नर्मदा नहीं वहां 'वॉटर इमरजेंसी' के हालात

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर अपनी स्वच्छता के लिए देश भर में विख्यात है लेकिन हर साल गर्मी का मौसम आते ही जलसंकट की गंभीर चुनौती से रूबरू होता है। इस वर्ष अप्रैल के दूसरे सप्ताह में ही तापमान बढ़ने के साथ शहर के विभिन्न हिस्सों से पानी की किल्लत की खबरें आने लगी हैं। स्थिति यह है कि न केवल भूजल स्तर नीचे जा रहा है, बल्कि पारंपरिक जल स्त्रोत भी दम तोड़ रहे हैं। नगर निगम के टैंकर भी शहर की प्यास बुझाने के लिए कम पड़ने लगे हैं।

सूखते सरकारी बोरिंग और जनता परेशान

इंदौर नगर निगम ने शहर की प्यास बुझाने के लिए 6 हजार से अधिक बोरिंग किए हैं, लेकिन गर्मी शुरू होते ही इनमें से अधिकांश जवाब देने लगे हैं। नगर निगम के रिकॉर्ड के अनुसार, कई क्षेत्रों में बोरिंग पूरी तरह सूख चुके हैं या उनमें पानी का स्तर इतना कम हो गया है कि मोटर चलाना संभव नहीं है। इसके कारण घनी आबादी वाले इलाकों में हाहाकार मचा हुआ है। सुबह होते ही लोग सार्वजनिक नलों और खाली बोरिंग के पास लंबी कतारों में खड़े नजर आते हैं।

तालाबों का घटता जलस्तर, भविष्य के लिए खतरे की घंटी

शहर की प्यास बुझाने में यशवंत सागर, बड़ी बिलावली और सिरपुर जैसे तालाबों की बड़ी भूमिका रही है लेकिन इस वर्ष गर्मी के शुरुआती दौर में ही इनका जलस्तर चिंताजनक रूप से कम हो गया है। जलस्तर कम होने से भविष्य में फिल्टर प्लांट की क्षमता पर भी असर पड़ने की आशंका है। तालाबों के किनारे बढ़ता अतिक्रमण और गाद भी पानी संग्रहण की क्षमता को कम कर रहे हैं।

कई क्षेत्रों में नर्मदा लाइन का अभाव और टैंकरों पर निर्भरता बहुत अधिक

इंदौर का एक बड़ा हिस्सा ऐसा है जहां अभी तक नर्मदा पाइप लाइन का विस्तार नहीं हो पाया है। इन क्षेत्रों के निवासी पूरी तरह से निजी या सरकारी बोरिंग पर निर्भर थे। अब जब बोरिंग सूख रहे हैं, तो इन इलाकों के पास पानी के टैंकरों के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। टैंकरों के भरोसे रहने वाली जनता को न केवल पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है, बल्कि कई बार महंगे दामों पर निजी टैंकर खरीदने को मजबूर होना पड़ता है।

तालाबों को पुनर्जीवित करना होगा

भूजल व पेयजल सुरक्षा विशेषज्ञ सुधींद्र मोहन शर्मा ने कहा कि इंदौर को इस संकट से उबारने के लिए केवल नर्मदा पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। हमें रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य बनाना होगा और पिपल्याहाना जैसे तालाबों को पुनर्जीवित करना होगा। यदि समय रहते भूजल संवर्धन पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले वर्षों में और भी मुश्किल हालात पैदा हो सकते हैं।

पिपल्याहाना तालाब की दुर्दशा और आसपास का गिरता भूजल

विशेषज्ञों के अनुसार, शहर के प्रमुख पिपल्याहाना तालाब और कई अन्य जल स्त्रोतों को पूरी तरह सुखा दिया जाना शहर के पर्यावरण के लिए एक बड़ा झटका है। तालाब, कुएं और बावड़ी केवल सतही जल का स्त्रोत नहीं होते, बल्कि वे आसपास के बड़े क्षेत्र के भूजल को रिचार्ज करने का काम करते हैं। पिपल्याहाना तालाब के सूखने से आसपास की कॉलोनियों के बोरिंग अचानक ठप हो गए हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि जल स्त्रोतों के साथ की गई छेड़छाड़ का खामियाजा जनता को भुगतना पड़ता है।

टैंकरों के बढ़ते दाम से जनता परेशान

नगर निगम शहर में फिलहाल 300 से अधिक टैंकर चल रहे हैं। शहर की प्यास बुझाने के लिए यह टैंकर कम पड़ने लगे हैं और निजी टैंकर लगभग 500 रुपए से अधिक के मिल रहे हैं। मई और जून में एक टैंकर 700 से 900 रुपए तक मिलता है। शहर में निजी टैंकरों के द्वारा पानी की सप्लाई भी अब एक बड़े व्यापार का रूप ले चुकी है।

नर्मदा का चौथा चरण इंदौर को बड़ी राहत देगा

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि सरकार लगातार प्रयास कर रही है कि इंदौर में पानी की कमी न हो। नर्मदा के चौथे चरण की शुरुआत का जो सपना लंबे समय से देखा जा रहा था वह अब साकार होने जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर की पानी की समस्या काफी हद तक खत्म होने की उम्मीद है। आने वाले वर्षों में इंदौर की बढ़ती आबादी को ध्यान में रखते हुए इस योजना को तैयार किया गया है।

स्वच्छता अभियान दिनचर्या का संस्कारित हिस्सा बनें - जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

देपालपुर न्यायालय परिसर को स्वच्छता सर्वेक्षण में प्रथम स्थान

■ इंदौर । संभाग पोस्ट

देपालपुर(इंदौर) - नगर निगम इंदौर के आयुक्त द्वारा गठित सर्वेक्षण दल के माध्यम से किए गए गोपनीय स्वच्छता सर्वेक्षण में नगर निगम द्वारा स्वच्छता अभियान हेतु गोद लिए गए नगर परिषद देपालपुर के अंतर्गत संचालित समस्त शासकीय कार्यालयों में सिविल कोर्ट परिसर, देपालपुर को उत्कृष्ट स्वच्छता के लिए प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

उक्त उपलब्धि के उपलक्ष्य में व्यवहार न्यायालय देपालपुर में जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान की अध्यक्षता में एक गरिमामय स्वच्छता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर न्यायालय परिसर में स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं अनुशासन को और सुदृढ़ करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में सीनियर सिविल जज श्रीमती रिजवाना कौसर, सुमित्रा ताहेड़, दिव्या श्रीवास्तव,सी.एम.ओ. बहादुर सिंह रघुवंशी, अधिवक्ता संघ अध्यक्ष अंतर सिंह मौर्य, सचिव दिनेश डोंड,उपाध्यक्ष दिलीप डाबी, कोषाध्यक्ष रजनी पवार, वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र पटेल, चेतन हार्डिया, पंकज तिवारी, प्रकाश धाकड़, दुलेन्द्र जैन, चिंतामन बाथम, सफाई दरोगा शैलेश कुराडिया, नायब नाजिर दिलीप यादव, सेलअमीन देवेंद्र कछवाह सहित सभी न्यायालयीन कर्मचारी व अधिवक्तागण उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर न्यायालय परिसर में स्वच्छता का निरीक्षण किया एवं स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया। जिला न्यायाधीश श्री हिदायत उल्ला खान ने अपने उद्बोधन में कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि हमारी दिनचर्या और संस्कार का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। न्यायालय जैसे गरिमामय स्थान की स्वच्छता न केवल कार्यकुशलता बढ़ाती है, बल्कि आमजन में सकारात्मक संदेश भी प्रसारित करती है। अंत में सभी उपस्थितजनों ने स्वच्छता को निरंतर बनाए रखने तथा इसे जनआंदोलन का स्वरूप देने का संकल्प लिया।

श्री एकाक्ष सामाजिक संस्था द्वारा इंदौर ओर उज्जैन के 5 बेसहारा शवों को मिला सम्मानजनक अंतिम संस्कार

■ इंदौर/उज्जैन । संभाग पोस्ट

शहर के समाजसेवियों द्वारा एक बार फिर मानवता की मिसाल देखने को मिली, जब समाजसेवक नरेंद्र वर्मा,सुनील ठाकुर ओर उनके साथियों द्वारा लाचार और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए सहारा बनकर न केवल उनका दर्द बांटा, बल्कि उनके अपनों को सम्मानजनक विदाई भी दिलाई। दो महिलाओं के परिजन अत्यधिक गरीबी के कारण अंतिम संस्कार करने में असमर्थ थे और निराशा में भटक रहे थे। इसी दौरान पुलिस प्रशासन से सूचना मिलने पर संस्था ने तत्परता दिखाते हुए जिम्मेदारी अपने हाथों में ली और मानवीय संवेदनाओं का परिचय दिया। संस्था के सदस्य नरेंद्र वर्मा सुनील ठाकुर, प्रियांशु पांडे,सन्नी जैसवाल, कृष्णा सोनी, रामगोपाल श्रीवास्तव ने दोनों महिलाओं और एक अज्ञात पुरुष का अंतिम संस्कार जूनी इंदौर मुक्तिधाम में पूरे विधि-विधान और सम्मान के साथ संपन्न कराया। इस दौरान एक मार्मिक दृश्य भी सामने आया, जब एक महिला जो महू निवासी है,उनकी मृत्यु हो गई थी उनके पति अत्यधिक गरीबी के चलते सुबह से भूखे प्यासे परेशान हो रहे थे। संस्था ने न केवल उन्हें भोजन कराया, बल्कि उनके आवागमन के लिए आर्थिक सहायता देकर उनके दुःख को कम करने का प्रयास किया। वहीं उज्जैन के चक्रतीर्थ मुक्तिधाम में भी संस्था ने मानवता का परिचय देते हुए थाना कोतवाली के प्रधान आरक्षक ललित कुमार बागड़ियां के साथ मिलकर अंतिम संस्कार की व्यवस्था की। इस कार्य में भी संस्था के नरेंद्र वर्मा, सुनील ठाकुर, प्रियांशु पांडे, सन्नी जैसवाल और कृष्णा सोनी सहित सभी समाजसेवियों के सहयोग से संस्था ने इंदौर और उज्जैन में कुल 5 शवों का अंतिम संस्कार सम्मानपूर्वक पूर्ण कराया। यह सेवा कार्य न केवल संवेदनशीलता का उदाहरण है, बल्कि समाज के लिए एक प्रेरणा भी है कि कठिन समय में इंसानियत ही सबसे बड़ा धर्म है। यह पहल बताती है कि आज भी मानवता जिंदा है।

टेस्ट ड्राइव के दौरान वाहन सहित कर्मचारी फरार, मचा हड़कंप

■ डही (धार) । संभाग पोस्ट

शनिवार को डही क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां एक व्यक्ति वाहन की टेस्ट ड्राइव लेने के बहाने शोरूम से गाड़ी लेकर फरार हो गया। इस दौरान शोरूम का एक कर्मचारी भी उसके साथ था, जो अभी तक लापता है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, डही निवासी हारून खत्री के A-1 शोरूम से दिनांक 11 अप्रैल 2026 को सुबह लगभग 11:45 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने बोलेरो वाहन की टेस्ट ड्राइव ली। टेस्ट ड्राइव के दौरान शोरूम का कर्मचारी शाहिल (उम्र लगभग 21 वर्ष) भी वाहन में उसके साथ गया था। लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी न तो वाहन वापस आया और न ही दोनों व्यक्तियों का कोई पता चल सका। बताया जा रहा है कि वाहन सुसारी-कुक्षी रोड की दिशा में जाते हुए देखा गया था। घटना की पूरी जानकारी शोरूम में लगे ण्ण्ऊ कैमरों में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है। फरार वाहन का विवरण इस प्रकार है— बोलेरो (सफेद रंग), वाहन नंबर MP 04 TB 3572। घटना के बाद शोरूम संचालक हारून खत्री ने पुलिस थाना डही में शिकायत दर्ज कराई है और वाहन तथा कर्मचारी को सुरक्षित वापस लाने की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और अज्ञात आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। क्षेत्र में इस घटना को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है।

शुद्ध मावे की मिठाइयों के निर्माता एवं विक्रेता
श्री चारभुजा
स्वीट्स एवं नमकीन
गुलाब जामुन, मावाबाटी, काला जामुन, रसगुल्ला इत्यादि
662/9, नेहरु नगर, अटल द्वार, इन्दौर
शाखा : 60, न्यू देवास रोड, राजकुमार ब्रिज, इंदौर

RAVI S. SAHU
Managing Director
+91-98260-77714
स्वाद का जादू-जागे घर घर...
रवि®
मसाले बस चुटकी भर...
मसाले एवं पापड़
RAVI HOME INDUSTRIES
12, Nirmal Nagar, Piplyahana, Indore - 452 001, Ph. : 0731-2490449
Web : www.ravihomeind.com | E-mail : ravisahurhi@gmail.com

डॉ. हिमांशु केलकर
एम.डी., डी.सी.एच.
नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
मो. 9202238451
क्लिनिकः 20 जी/एच., गीतांजलि अपार्टमेन्ट, मार्केट रोड, विजय नगर
स्कीम नं. 54, इंदौर (म.प्र.) Email : himanshukelkar@rediffmail.com
समय : प्रातः 10.30 से 1.30 बजे, सायं 5.30 से 8.30 बजे तक
निवास : 7-बी, शालीमार टाउनशिप, ए.बी. रोड, इंदौर

चेतन टेलर्स
(सूट स्पेशलिस्ट)
सुनिल खटके
मो. 9893118079
30/1.परदेशीपुरा, शिवधाम के सामने, इंदौर

॥ श्री गणेश ॥ ॥ जय माँ भगवती ॥
सेवक राम केवट (छोटू उस्ताद)
मो. 9826012658, 9131711406
माँ नर्मदा केटरर्स
107, नार्थ मुसाखेड़ी, अजयबाग कॉलोनी, इन्दौर
शादी, पार्टी, पिकनिक, जन्मदिन पर कच्ची एवं पक्की रसोई की सम्पूर्ण व्यवस्था हेतु सम्पर्क करें।

अनुप यादव 9617246247
अमन यादव 7773007307 8770131488
सावित्री हार्डवेयर
सेनेटरी एण्ड पेन्ट्स
ASTRAL PIPES
92 हीरा नगर MR-10 मेन रोड, इन्दौर (म.प्र.)

त्रिगुण दास बौरासी
कुलदीप बौरासी
मो. 9405852932
लक्ष्मी आप्टीशियन
सभी प्रकार के नजर व धूप के चश्मे बनाए जाते हैं
फोन : 0731-2545493
352/2, पाटनीपुरा (भेरु मंदिर के पीछे) प्रिंस टेलर के बीच वाली गली में, इंदौर

संभाग पोस्ट

अनधिकृत व्यक्ति द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान निलंबित

स्टॉक में भारी गड़बड़ी सहित अन्य अनियमिताएं भी मिली

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर जिले के स्कीम नंबर 78 स्थित प्रियदर्शनी महिला प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 809305 पर गंभीर अनियमितताओं के चलते बड़ी कार्रवाई की गई है। यह कार्रवाई कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में की गई है। दुकान को आगामी आदेश तक के लिए निलंबित कर दिया गया है। लगातार राशन वितरण में गड़बड़ी और पात्रता से कम राशन देने की शिकायतों के आधार पर खाद्य विभाग की जिला स्तरीय टीम द्वारा औचक निरीक्षण किया गया था। जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम. एल. मारू ने बताया कि जांच के दौरान दुकान पर गेहूं एवं चावल के स्टॉक में भारी अंतर पाया गया। साथ ही दुकान पर अनिवार्य रूप से लगाए जाने वाले पीला बोर्ड एवं स्टॉक बोर्ड भी नहीं मिले। जांच में यह भी पाया गया कि हितग्राहियों को मार्च माह में दो माह का राशन पात्रता अनुसार वितरित नहीं किया गया, बल्कि केवल एक माह का ही राशन दिया गया। जांच में पाया गया कि दुकान का संचालन अधिकृत विक्रेता के बजाय किसी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा किया जा रहा था। इन सभी अनियमितताओं को गंभीरता से लेते हुए दुकान को आवंटित प्राधिकार पत्र को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। हितग्राहियों को असुविधा न हो, इसके लिए उक्त दुकान को समीप की अन्य उचित मूल्य दुकान से संलग्न कर राशन वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई सहायक आपूर्ति अधिकारी अविनाश जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी अंकुर गुप्ता एवं श्रीमती तृप्ति माला मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से की गई।

अंबेडकर जयंती पर केंद्रीय जेल से 6 कैदी रिहा सालों बाद परिवार से मिलकर भावुक हुए बंदी

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर केंद्रीय जेल इंदौर से अच्छे आचरण के आधार पर 6 आजीवन कारावास की सजा काट रहे बंदियों को रिहा किया गया। शासन द्वारा प्रदान की गई माफी का लाभ मिलने के बाद इन बंदियों को वर्षों बाद आजादी मिली। इन कैदियों में भारत पिता जगन्नाथ , राधेश्याम पिता श्रीपत, इमरान पिता आशिक, फूलचंद पिता मांगीलाल भील, सुंदरलाल पिता राम सिंह, नर्सिंग पिता किशन शामिल है,

जेल से बाहर निकलते ही बंदी अपने परिजनों से मिलकर भावुक हो उठे। लंबे समय बाद परिवार से मिलने की खुशी उनके चेहरों पर साफ दिखाई दी। इस दौरान सभी रिहा बंदियों ने भविष्य में कभी अपराध न करने और समाज की मुख्यधारा में जुड़कर नया जीवन शुरू करने की प्रतिबद्धता भी जताई। केंद्रीय जेल अधीक्षक डॉ. अलका सोनकर ने सभी रिहा बंदियों को श्रीफल, हार और पारिश्रमिक की राशि प्रदान कर सम्मानपूर्वक विदाई दी। उन्होंने बंदियों को जीवन की नई शुरुआत सकारात्मक सोच के साथ करने की सलाह भी दी। इस अवसर पर उप अधीक्षक इंदर सिंह नागर और उप अधीक्षक संतोष कुमार लाडिया भी मौजूद रहे।

इंदौर में युवती से दुष्कर्मः प्रेमी पर शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का मामला दर्ज

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर। इंदौर के विजयनगर थाना क्षेत्र में एक युवती ने अपने प्रेमी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर आरोपी आनंद त्रिपाठी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार स्कीम नंबर 54 निवासी युवती शनिवार को अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। युवती और आरोपी एक ही बिल्डिंग में रहते थे, जिससे दोनों के बीच पहले पहचान हुई और फिर बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने पहले उसे प्रपोज किया था, लेकिन उसने शुरुआत में मना कर दिया। इसके बावजूद आरोपी लगातार संपर्क में रहा और धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं।युवती का आरोप है कि इसी दौरान आरोपी ने शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। कुछ समय बाद जब युवती ने शादी की बात उठाई, तो आरोपी ने परिवार से बात करने का कहकर खंडवा जाने की बात कही। लेकिन वहां पहुंचने के बाद उसने फोन पर शादी से साफ इंकार कर दिया और अपने दोनों मोबाइल नंबर बंद कर लिए।पीड़िता ने कई दिनों तक उससे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद उसने पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने परिजनों को दी। परिजनों ने युवती का साथ देते हुए उसे थाने ले जाकर शिकायत दर्ज कराई। परिवार का कहना है कि युवती मानसिक रूप से काफी आहत है और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

इंदौर में इंटरस्टेट/स्लिपर बसों पर सख्ती

ड्रोन से की जा रही निगरानी

नियम तोड़ने पर होगी कार्रवाई, मौके पर पहुंचकर देखी स्थिति

■ इंदौर। संभाग पोस्ट

इंदौर में ट्रैफिक व्यवस्था को ओर बेहतर करने और पूर्वी क्षेत्र के चौराहों पर जाम की स्थिति ना बने इसे देखते हुए ट्रैफिक पुलिस ने इंटरस्टेट/स्लिपर बसों को लेकर डायवर्शन किया है। इस डायवर्शन को लेकर रविवार को पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ड्रोन कैमरे से चौराहे का मौका मुआयना किया और कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी सहित पुलिस के कई अधिकारी रविवार दोपहर को शहर के स्टार चौराहे पहुंचे। यहां इंटरस्टेट और स्लिपर बसों के डायवर्शन और ट्रैफिक व्यवस्था को देखा।

ड्रोन से देखी स्थिति, दी चेतावनी

पुलिस अधिकारियों ने ड्रोन कैमरे से इलाके में ट्रैफिक और निर्धारित डाय?वर्शन पाइंट्स का प्रभावी सर्विलांस किया। ड्रोन माइक सिस्टम से बस चालकों और वाहन चालकों को ट्रैफिक व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई चेतावनी भी दी, ताकि ट्रैफिक बाधित ना हो और लोगों को गाड़ी चलाने में परेशानी ना उठाना पड़े। स्टार चौराहे पर व्यवस्था देखने के बाद सभी अधिकारी रेडिसन चौराहे पर पहुंचे जहां नो एंट्री पाइंट्स और चौराहों की अन्य व्यवस्थाओं को देखा। बता दे कि रिंग रोड पर बढ़ते ट्रैफिक के दबाव को देखते हुए इंटरस्टेट/स्लिपर बसों के आवाजाही रिंग रोड से डायवर्ट कर परिवर्तत रास्ते पर कर दी है। इसे लेकर नई व्यवस्था भी लागू कर दी गई है। पिपलियाहाना से रेडिसन रोड पर स्लिपर/इंटरस्टेट बसों का आना-जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। स्टार चौराहा पर निर्धारित स्थान से ही सवारी बैठाने एवं उतारने का काम किया जा सकेगा। व्हाइट चर्च की ओर से पिपल्याहाना होकर आने वाली स्लिपर/इंटरस्टेट बसों के लिए निर्धारित मार्ग इस प्रकार रहेगा, स्कीम नं. 140 अग्रवाल स्कूल चौराहा बिचौली अंडरब्रिज बायपास बेस्ट प्राइस स्टार चौराहा और वापसी में स्टार चौराहा बेस्ट प्राइस बायपास मार्ग से आनाजाना रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने बस चालक एवं संचालकों से अपील की गई है कि वे असुविधा से बचने के लिए निर्धारित वैकल्पिक रास्तों का ही इस्तेमाल करें। उल्लंघन करने पर संबंधित के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय पताः 201, दूसरी मंजिल, इंदौर प्रेस क्लब परिसर, एम.जी. रोड, (जिला न्यायालय के सामने), इंदौर (म.प्र.),
स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक नवीन गलकर द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13 प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-119, वीणा नगर, सुखलिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः नवीन गलकर, मो. 9009919948